Shodhshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
© 2021 SHISRRJ | Volume 4 | Issue 4 | ISSN : 2581- 6306

माध्यमिक स्तर पर विद्याथियों के अभिभावक सम्बन्ध में संवेगात्मक बुद्धि का विश्लेषणात्मक सम्बन्ध

डॉ. प्रेमचन्द्र यादव
पूर्वशोधछात्र, विभागशिक्षाशास्त्र।
नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

Article Info
Volume 4, Issue 4
Page Number : 18-34
Publication Issue :
July-August-2021
Article History
Accepted : 03 Aug 2021
Published : 10 Aug 2021

सारांश–सांख्यिकीय विधियों का उपयोग कर आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है एवं परिणाम ज्ञात किया गया है आंकड़ों का सारणीयन विश्लेषण प्रस्तुत शोध के उद्देश्यों को घ्यान में रखकर किया गया है तदर्थ सर्वप्रथम प्रतिदर्श के विभिन्न समूहों के अन्तर की व्याख्या की गई है उसके पश्चात् विभिन्न समूहों के अभिभावक संबंध, संवेगात्मक बुद्धि, आत्मविश्वास एवं आत्म–प्रकटीकरण संबंधी आंकड़ों का वर्णात्मक सांख्यिकी प्रस्तुत किया गया है। वर्णात्मक सांख्यिकी में सर्वप्रथम समूहों के प्राप्तांको के मध्यमान को दर्शाया गया है उसके पश्चात् प्रमाणिक विचलन से सम्बन्धित सांख्यिकी प्रस्तुत की गई है और फिर निष्कर्षात्मक सांख्यिकी के अर्न्तगत विभिन्न समूहों के प्रामाणिक त्रुटियों को देख कर जनसंख्या सम्बन्धित निष्कर्ष निकाला गया है। इस सभी वर्णनात्मक सांख्यिकी के पश्चात् विभिन्न समूहों के मध्य तुलना क्रान्तिक अनुपात ज्ञात करके परिणामें को देखा गया है जो परिणाम दोनो समूहों के तुलना में प्राप्त हुए हैं।

मुख्यशब्द – माध्यमिक, स्तर, विद्याथिय, अभिभावक, सम्बन्ध, संवेगात्मक, बुद्धि, विश्लेषणात्मक, सम्बन्ध।

Copyright: © the author(s), publisher and licensee Technoscience Academy. This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution Non-Commercial License, which permits unrestricted non-commercial use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited

तत्पश्चात् अभिभावक संबंध का विद्यार्थियों के विभिन्न समूहों वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित माध्यमिक स्तर के छात्र, छात्राओं, अंग्रेजी माध्यम एवं हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों के संवेगात्मक बुद्धि, आत्मविश्वास एवं आत्मप्रकटीकरण के मध्य संबंध ज्ञात किया गया है। उनका विवरण सारिणी सं0 4.1 से 4.42 तक अग्रांकित है –

4.2 आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

4.2.1 माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक संबंध की तुलना –

H_1 माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक संबंध में सार्थक अन्तर है।

H_{01} माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक संबंध में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सारिणी सं0 4.1

अभिभावक संबंध की विमा	लिंग	न्यादर्श की संख्या	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	मध्यमानों का अन्तर (M_1~M_2)	मानक त्रुटि (σ_D)	टी–परीक्षण मान (t-value)
संरक्षित करना	छात्र	300	55.56	8.52	0.14	0.64	0.22
	छात्राएँ	300	55.42	7.20			
सांकेतिक दंड	छात्र	300	43.18	8.91	0.47	0.66	0.71
	छात्राएँ	300	42.71	7.25			
अस्वीकृति	छात्र	300	43.35	7.42	0.11	0.59	0.18
	छात्राएँ	300	43.47	7.06			
प्रयोजन दंड	छात्र	300	43.36	7.29	0.58	0.59	0.98
	छात्राएँ	300	43.94	7.24			
माँग	छात्र	300	48.74	7.75	0.58	0.61	0.95
	छात्राएँ	300	49.32	7.25			
उदासीनता	छात्र	300	61.68	7.61	0.44	0.60	0.73
	छात्राएँ	300	61.24	7.00			

सांकेतिक प्रतिफल	छात्र	300	58.94	7.32	0.48	0.57	0.84
	छात्राएँ	300	59.42	6.51			
स्नेहपूर्ण व्यवहार	छात्र	300	60.16	7.74	0.38	0.59	0.64
	छात्राएँ	300	60.54	6.58			
प्रयोजन प्रतिफल	छात्र	300	56.12	7.53	0.10	0.58	0.17
	छात्राएँ	300	56.22	6.74			
नजरादांज	छात्र	300	42.14	7.16	0.14	0.56	0.25
	छात्राएँ	300	42.80	6.66			
सम्पूर्ण अभिभावक संबंध	छात्र	300	525.59	40.19	5.14	2.90	1.77
	छात्राएँ	300	520.45	30.16			

*0.05 स्तर पर सार्थक

चूँकि माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक संरक्षित वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.22 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक संरक्षित के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक सांकेतिक दण्ड वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.71 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक सांकेतिक दंड के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

अभिभावक अस्वीकृति के सम्बन्ध में छात्र एवं छात्राओं के मध्यमानों के बीच टी– मान 0.18 है df के मान से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक अस्वीकृति के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

अभिभावक प्रयोजन दण्ड के सम्बन्ध छात्र एवं छात्राओं के मध्यमानों के बीच टी– मान 0.98 है df के मान से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक प्रयोजन दंड के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

अभिभावक माँग के सम्बन्ध में छात्र एवं छात्राओं के मध्यमानों के बीच टी– मान 0.95 है df के मान से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक माँग के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक उदासीनता वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.73 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक उदासीनता के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक सांकेतिक प्रतिफल वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.84 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक सांकेतिक प्रतिफल के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

अभिभावक स्नेहपूर्ण व्यवहार के सम्बन्ध में छात्र एवं छात्राओं के मध्यमानों के बीच टी– मान 0.64 है जो df के मान से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक स्नेहपूर्ण व्यवहार के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

अभिभावक प्रयोजन प्रतिफल के सम्बन्ध में छात्र एवं छात्राओं के मध्यमानों के बीच टी– मान 0.17 है जो df के मान से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक प्रयोजन प्रतिफल के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक नजरादांज वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.25 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक नजरादांज के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

अभिभावक सम्बन्ध के परिप्रेक्ष्य में छात्र एवं छात्राओं के मध्यमानों के बीच टी– मान 1.77 है जो df के मान से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिभावक संबंध के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

4.2.2 माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिभावक संबंध की तुलना करना–

H_2 माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिभावक संबंध में सार्थक अन्तर है।

H_{02} माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिभावक संबंध में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सारिणी सं0 4.2

अभिभावक संबंध की विमा	लिंग	न्यादर्श की संख्या	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	मध्यमानों का अन्तर (M_1~M_2)	मानक त्रुटि (σ_D)	टी–परीक्षण मान (t-value)
संरक्षित करना	हिन्दी	300	54.38	8.27	2.21	0.64	3.45*
	अंग्रेजी	300	56.59	7.31			
सांकेतिक दंड	हिन्दी	300	42.27	8.61	1.34	0.66	2.03*
	अंग्रेजी	300	43.61	7.56			
अस्वीकृति	हिन्दी	300	42.61	7.22	1.60	0.59	2.71*
	अंग्रेजी	300	44.21	7.18			
प्रयोजन दंड	हिन्दी	300	43.44	7.04	0.42	0.59	0.71
	अंग्रेजी	300	43.86	7.49			
माँग	हिन्दी	300	48.53	7.22	1.00	0.61	1.64
	अंग्रेजी	300	49.53	7.76			

उदासीनता	हिन्दी	300	60.82	7.33	1.27	0.59	2.15*
	अंग्रेजी	300	62.09	7.24			
सांकेतिक प्रतिफल	हिन्दी	300	59.06	7.05	0.24	0.57	0.42
	अंग्रेजी	300	59.30	6.81			
स्नेहपूर्ण व्यवहार	हिन्दी	300	59.91	7.30	0.88	0.59	1.49
	अंग्रेजी	300	60.79	7.04			
प्रयोजन प्रतिफल	हिन्दी	300	55.66	7.43	1.01	0.58	1.74
	अंग्रेजी	300	56.67	6.82			
नजरादांज	हिन्दी	300	41.49	6.85	1.28	0.56	2.29*
	अंग्रेजी	300	42.71	6.92			
सम्पूर्ण अभिभावक संबंध	हिन्दी	300	518.68	36.44	8.68	2.89	3.00*
	अंग्रेजी	300	527.36	34.25			

*0.05 स्तर पर सार्थक

अभिभावक संरक्षित के सम्बन्ध में हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के मध्यमानों के बीच अन्तरों के टी– मान 3.45 है जो df मान से अधिक है। अतः शून्य उपकल्पना अस्वीकृत कर परिणामतः कह सकते हैं कि अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के अभिभावक द्वारा संरक्षित हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक है।

अभिभावक सांकेतिक दण्ड के सम्बन्ध में हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के मध्यमानों के बीच अन्तरों के टी– मान 2.03 है जो df मान से अधिक है। अतः शून्य उपकल्पना अस्वीकृत कर परिणामतः कह सकते हैं कि अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के अभिभावक द्वारा सांकेतिक दण्ड हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक है।

अभिभावक अस्वीकृति के सम्बन्ध में हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के मध्यमानों के बीच अन्तरों के टी– मान 3.71 है जो df मान से अधिक है। अतः शून्य उपकल्पना अस्वीकृत कर

परिणामतः कह सकते हैं कि अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के अभिभावक द्वारा अस्वीकृति हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक है।

माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिभावक प्रयोजन दंड वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.71 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिभावक प्रयोजन दंड के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिभावक माँग वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 1.64 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिभावक माँग के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिभावक उदासीनता वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 2.15 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से अधिक है। अतः शून्य उपकल्पना अस्वीकृत कर परिणामतः कह सकते हैं कि अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के अभिभावक द्वारा उदासीनता हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक है।

माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिभावक सांकेतिक प्रतिफल वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.42 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिभावक सांकेतिक प्रतिफल के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

अभिभावक स्नेहपूर्ण व्यवहार के सम्बन्ध में हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के मध्यमानों के बीच अन्तरों के टी– मान 1.49 है जो df मान से कम है। अतः शून्य उपकल्पना स्वीकृत कर परिणामतः कह सकते हैं कि अभिभावक द्वारा स्नेहपूर्ण व्यवहार के सन्दर्भ में हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों में समानता है।

अभिभावक प्रयोजन प्रतिफल के सम्बन्ध में हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के मध्यमानों के बीच अन्तरों के टी– मान 1.74 है जो df मान से कम है। अतः शून्य उपकल्पना स्वीकृत कर परिणामतः कह सकते हैं कि अभिभावक द्वारा अभिभावक प्रयोजन प्रतिफल के सन्दर्भ में हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों में समानता है।

माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिभावक नजरादांज वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 2.29 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से अधिक है। अतः शून्य उपकल्पना अस्वीकृत कर परिणामतः कह सकते हैं कि अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के अभिभावक द्वारा नजरादांज हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक है।

अभिभावक सम्बन्ध में हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के मध्यमानों के बीच अन्तरों के टी– मान 3.00 है जो df मान से अधिक है। अतः शून्य उपकल्पना अस्वीकृत कर परिणामतः कह सकते हैं कि अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों के अभिभावक सम्बन्ध हिन्दी माध्यम के विद्यार्थियों की अपेक्षा अधिक है।

4.2.3 माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक संबंध की तुलना करना–

H_3 माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक संबंध में सार्थक अन्तर है।

H_{03} माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक संबंध में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सारिणी सं0 4.3

अभिभावक संबंध की विमा	लिंग	न्यादर्श की संख्या	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	मध्यमानों का अन्तर (M_1~M_2)	मानक त्रुटि (σ_D)	टी–परीक्षण मान (t-value)
संरक्षित	वित्तपोषित	300	55.81	8.27	0.64	0.64	1.00

करना	स्ववित्तपोषित	300	55.17	7.47			
सांकेतिक दंड	वित्तपोषित	300	43.25	8.05	0.61	0.66	0.92
	स्ववित्तपोषित	300	42.64	8.19			
अस्वीकृति	वित्तपोषित	300	44.29	7.12	1.76	0.59	2.98*
	स्ववित्तपोषित	300	42.53	7.26			
प्रयोजन दंड	वित्तपोषित	300	43.79	7.41	0.28	0.59	0.47
	स्ववित्तपोषित	300	43.51	7.13			
माँग	वित्तपोषित	300	49.31	7.64	0.56	0.61	0.92
	स्ववित्तपोषित	300	48.75	7.36			
उदासीनता	वित्तपोषित	300	62.03	6.89	1.15	0.60	1.92
	स्ववित्तपोषित	300	60.88	7.67			
सांकेतिक प्रतिफल	वित्तपोषित	300	59.52	7.16	0.68	0.57	1.19
	स्ववित्तपोषित	300	58.84	6.68			
स्नेहपूर्ण व्यवहार	वित्तपोषित	300	60.57	7.38	0.44	0.59	0.75
	स्ववित्तपोषित	300	60.13	6.97			
प्रयोजन प्रतिफल	वित्तपोषित	300	56.63	7.23	0.92	0.58	1.58
	स्ववित्तपोषित	300	55.71	7.04			
नजरादांज	वित्तपोषित	300	42.53	6.88	0.92	0.56	1.64
	स्ववित्तपोषित	300	41.61	6.93			
सम्पूर्ण अभिभावक संबंध	वित्तपोषित	300	526.95	35.53	7.86	2.89	2.72*
	स्ववित्तपोषित	300	519.09	35.29			

*0.05 स्तर पर सार्थक

चूँकि माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक संरक्षित वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 1.00 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक संरक्षित के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक सांकेतिक दण्ड वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.92 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक सांकेतिक दंड के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक अस्वीकृति वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 2.98 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से अधिक है। अतः हम अपने शून्य उपकल्पना को अस्वीकृत करते हुए यह कह सकते है कि माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक अस्वीकृति के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर स्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक प्रयोजन दंड वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.47 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक प्रयोजन दंड के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक माँग वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.92 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक माँग के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक उदासीनता वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 1.92 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक उदासीनता के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक सांकेतिक प्रतिफल वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 1.19 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक सांकेतिक प्रतिफल के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक स्नेहपूर्ण व्यवहार वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.75 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक स्नेहपूर्ण व्यवहार के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक प्रयोजन प्रतिफल वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 1.58 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक प्रयोजन प्रतिफल के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक नजरादांज वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 1.64 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक नजरादांज के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक संबंध वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 2.72 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से अधिक है। अतः हम अपने शून्य उपकल्पना को अस्वीकृत करते हुए यह कह सकते है कि माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिभावक संबंध के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर स्वीकार्य है।

4.2.4 माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि की तुलना –

H_4 माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर है।

H_{04} माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सारिणी सं0 4.4

संवेगात्मक बुद्धि की विमा	लिंग	न्यादर्श की संख्या	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	मध्यमानों का अन्तर (M_1~M_2)	मानक त्रुटि (σ_D)	टी–परीक्षण मान (t-value)
संवेगात्मक अंतर्बोध	छात्र	300	2.47	1.01	0.13	0.08	1.63
	छात्राएँ	300	2.60	0.95			
अभिप्रेरण अंतर्बोध	छात्र	300	5.78	1.46	0.21	0.13	1.62
	छात्राएँ	300	5.57	1.73			
समानुभूति	छात्र	300	6.66	1.56	0.08	0.14	0.14
	छात्राएँ	300	6.68	1.86			
संबंध प्रबंधन	छात्र	300	5.70	1.59	0.36	0.13	2.77*
	छात्राएँ	300	6.06	1.59			
सम्पूर्ण संवेगात्मक बुद्धि	छात्र	300	20.61	4.03	0.83	0.35	0.83
	छात्राएँ	300	20.90	4.46			

*0.05 स्तर पर सार्थक

चूँकि माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की संवेगात्मक अंतर्बोध वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 1.63 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की संवेगात्मक अंतर्बोध के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिप्रेरण अंतर्बोध वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 1.62 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की अभिप्रेरण अंतर्बोध के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की समानुभूति वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.14 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की समानुभूति के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की संबंध प्रबंधन वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 2.77 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से अधिक है। अतः हम अपने शून्य उपकल्पना को अस्वीकृत करते हुए यह कह सकते है कि माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की संबंध प्रबंधन के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर स्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की सम्पूर्ण संवेगात्मक बुद्धि वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.83 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के छात्र एवं छात्राओं की सम्पूर्ण संवेगात्मक बुद्धि के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

4.2.5 माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि की तुलना–

H_5 माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर है।

H_{05} माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सारिणी सं0 4.5

संवेगात्मक बुद्धि की विमा	लिंग	न्यादर्श की संख्या	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	मध्यमानों का अन्तर (M_1~M_2)	मानक त्रुटि (σ_D)	टी–परीक्षण मान (t-value)
संवेगात्मक अंतर्बोध	हिन्दी	300	2.61	0.96	0.15	0.08	1.88
	अंग्रेजी	300	2.46	1.00			
अभिप्रेरण अंतर्बोध	हिन्दी	300	5.81	1.58	0.27	0.13	2.07*
	अंग्रेजी	300	5.54	1.62			
समानुभूति	हिन्दी	300	6.80	1.66	0.26	0.13	2.00*
	अंग्रेजी	300	6.54	1.62			
संबंध प्रबंधन	हिन्दी	300	5.95	1.54	0.13	0.13	1.00
	अंग्रेजी	300	5.82	1.66			
सम्पूर्ण संवेगात्मक बुद्धि	हिन्दी	300	21.16	4.02	0.81	0.35	2.31*
	अंग्रेजी	300	20.35	4.44			

*0.05 स्तर पर सार्थक

चूँकि माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की संवेगात्मक अंतर्बोध वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 1.88 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की संवेगात्मक अंतर्बोध के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिप्रेरण अंतर्बोध वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 2.07 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से अधिक है। अतः हम अपने शून्य उपकल्पना को अस्वीकृत करते हुए यह कह सकते है कि

माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की अभिप्रेरण अंतर्बोध के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर स्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की समानुभूति वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 2.00 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से अधिक है। अतः हम अपने शून्य उपकल्पना को अस्वीकृत करते हुए यह कह सकते है कि माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की समानुभूति के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर स्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की संबंध प्रबंधन वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 1.00 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की संबंध प्रबंधन के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की सम्पूर्ण संवेगात्मक बुद्धि वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 2.31 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से अधिक है। अतः हम अपने शून्य उपकल्पना को अस्वीकृत करते हुए यह कह सकते है कि माध्यमिक स्तर के हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियों की सम्पूर्ण संवेगात्मक बुद्धि के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर स्वीकार्य है।

4.2.6 माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि की तुलना–

H_6 माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में सार्थक अन्तर है।

H_{06} माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की संवेगात्मक बुद्धि में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

सारिणी सं0 4.6

संवेगात्मक बुद्धि की विमा	लिंग	न्यादर्श की संख्या	मध्यमान (M)	प्रमाणिक विचलन (SD)	मध्यमानों का अन्तर (M_1~M_2)	मानक त्रुटि (σ_D)	टी–परीक्षण मान (t-value)
संवेगात्मक अंतर्बोध	वित्तपोषित	300	2.59	0.97	0.11	0.08	1.38
	स्ववित्तपोषित	300	2.48	0.99			
अभिप्रेरण अंतर्बोध	वित्तपोषित	300	5.69	1.63	0.03	0.13	0.23
	स्ववित्तपोषित	300	5.66	1.58			
समानुभूति	वित्तपोषित	300	6.66	1.70	0.02	0.14	0.14
	स्ववित्तपोषित	300	6.68	1.74			
संबंध प्रबंधन	वित्तपोषित	300	5.84	1.61	0.09	0.13	0.69
	स्ववित्तपोषित	300	5.93	1.59			
सम्पूर्ण संवेगात्मक बुद्धि	वित्तपोषित	300	20.77	4.34	0.03	0.35	0.09
	स्ववित्तपोषित	300	20.74	4.17			

*0.05 स्तर पर सार्थक

चूँकि माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की संवेगात्मक अंतर्बोध वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 1.38 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की संवेगात्मक अंतर्बोध के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित की अभिप्रेरण अंतर्बोध वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.23 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित

विद्यालयों के विद्यार्थियों की अभिप्रेरण अंतर्बोध के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की समानुभूति वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.14 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की समानुभूति के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की संबंध प्रबंधन वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.69 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित की संबंध प्रबंधन के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की सम्पूर्ण संवेगात्मक बुद्धि वितरण संबंधी प्राप्तांकों के मध्यमानों के अन्तर का टी–परीक्षण मान 0.09 है जो कि निर्धारित मान 1.96 से कम है। अतः शून्य उपकल्पना मानते हुए परिणामतः माध्यमिक स्तर के वित्तपोषित एवं स्ववित्तपोषित विद्यालयों के विद्यार्थियों की सम्पूर्ण संवेगात्मक बुद्धि के दो समूहों के माध्यमों के बीच अंतर अस्वीकार्य है।

सन्दर्भ–

1.साख्यिकीय विधियाँ –गुप्ता एस.पी एण्ड गुप्ता
2.आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन– गुप्ता एस.पी एण्ड गुप्ता
3.अनुसंधान संदर्शिका– गुप्ता एस.पी एण्ड गुप्ता
4.फेम्स ऑफ माइन्ड दः थ्योरी ऑफ मल्टीपल इन्टेलिजेन्स –गार्डनर
5.द रिलेशनशिप विटविन जेण्डर एण्ड इमोशनल इंटेलिजेन्स– नाघवी फतनेह एवं रेडजौन